कृषि छात्र उद्यमी और आत्मनिर्भर बनें: डॉ. राठौड़

भास्कर संवाददाता | चित्तौड़गढ़

ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम (रावे) के लिए विद्यार्थियों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र पर हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. नरेन्द्र सिंह राठौड़ कुलपति महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर थे। उन्होंने कहा कि कृषि छात्र कार्यक्रम से उद्यमी एवं आत्मनिर्भर बन सकते हैं। कृषि एक व्यावसायिक डिग्री है।

डॉ. एसएल मूंदड़ा, निदेशक प्रसार-प्रसार शिक्षा निदेशालय उदयपुर ने बताया कि मेवाड़ विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ ही रोजगार परक प्रायोगिक ज्ञान पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर एवं मेवाड़ विश्वविद्यालय गंगरार के बीच एमओयू साइन किया।

जिसके तहत बीएससी फाइनल वर्ष के एग्रीकल्चर के विद्यार्थियों को ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के तहत कृषि से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर के केवीके चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा व प्रतापगढ़ के कृषि वैज्ञानिको व प्रगतिशील कृषकों के अनुभव के आधार पर प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। डॉ. एफएल शर्मा प्रोफेसर प्रसार शिक्षा विभाग उदयपुर ने रावे के विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए विभिन्न पहलुओं के बारे में अवगत कराया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, डॉ. एसके अग्रवाल, भीलवाड़ा केवीके, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, डॉ. सीएम यादव, प्रतापगढ़ के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राजीव बैराठी व मेवाड़ विश्वविद्यालय की ओर से डीन एसोसिएट डॉ. गौतम सिंह धाकड़, प्रभारी डॉ. नीलू जैन, श्री केके भाटी, डॉ. ब्रजेश मीणा, केंद्र के डॉ. रतनलाल सोलंकी, डॉ. राजेश जलवानिया, डॉ. प्रियंका स्वामी, अभय कुमार बोहरा आदि उपस्थित थे। Dainik Bhaskar 10-11-2020

कृषि छात्र उद्यमी एवं आत्मनिर्भर बनें

सीधा सवाल । चित्तौड़गढ़। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर एवं मेवाड़ विश्वविद्यालय, गंगरार, चित्तौड़गढ़ के मध्य रावें कार्यक्रम हेतु समझौता पत्र के तहत किया गया। आज ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम (रावे) हेतु विद्यार्थियों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम कृषि विज्ञान केन्द्र पर आयोजित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. नरेन्द्र सिंह राठौड़, कुलपति, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि कृषि छात्र इस कार्यक्रम से उद्यमी एवं आत्मानिर्भर बन सकते है। उन्होने यह भी कहा कि (कृषि) एक व्यावसायिक डिग्री है। इस कार्यक्रम द्वारा विद्यार्थियों को गांवों में जाकर किसान परिवार के साथ कार्य करना, उनकी कृषि सम्बन्धी समस्या का मूल्यांकन करना और विभिन्न प्रसार तकनीकी का उपयोग करके नवीनतम तकनीकीयों को हस्तान्तरण किया जाना है व इसके अलावा उस क्षेत्र की स्वदेशी तकनीकी ज्ञान के बारे मे भी विद्यार्थियो को मालूम होना चाहिये। इस कार्यक्रम के द्वारा छात्रों में नेतृत्व विकसित होता है जिससे अपने द्वारा अर्जित किया हुआ ज्ञान को किसानो के माध्यम से प्रचार प्रसार किया जावे। विद्यार्थियों का कौशल संचार का विकास होता है। जिससे विद्यार्थी स्वयं रोजगार प्राप्त कर सकते है। प्रशिक्षण उपरांत रावें के विद्यार्थी कृषि क्षेत्र में कार्य करने एवं रोजगार

पाने के लिए तैयार हो सकेगे। रावें विद्यार्थियों के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, डॉ. एस.के. अग्रवाल, भीलवाड़ा केविके, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, डॉ. सी.एम. यादव, प्रतापगढ़ के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राजीव बैराठी व मेवाड़ विश्वविद्यालय की ओर से डीन एसोसिएट डॉ. गौतम सिंह धाकड़, प्रभारी डॉ. नीलू जैन, के.के. भाटी व डॉ. ब्रजेश मीणा एवं केन्द्र के डॉ. रतन लाल सोलंकी, डॉ. राजेश जलवानिया, डॉ. प्रियंका स्वामी, अभय कुमार बोहरा आदि उपस्थित थे।